अंतः ... पत्रावली पूर्ववत दिनांक
हो सकी। पत्रावली पूर्ववत दिनांक .... को
28-1-26
पेश हो

28/1/26

पत्रावली पेश हुई वकील पक्षकार उपस्थित। पत्रावलियां अधिक होने की वजह से प्रकरण में सुनवाई नहीं हो सकी। अतः पत्रावली दिनांक 17-2-26 को पेश हो

17/2/26

पत्रावली पेश हो। वकील पक्षकार उपस्थित। वादी आदि० ने उपस्थित होकर प्रार्थना पत्र वास्ते वाद विड्रो कर नया पेश करने कि अनुमति दिये जाने बाबत् पेश किया जो शामिल फाईल किया जाता है। वादी आदि० ने निवेदन किया कि वादीगण को उक्त वाद में तकनीकि त्रुटि होने से वादीगण उक्त वाद को विड्रो करवाना चाहता है और नया वाद पेश करने की अनुमति दी जावे। वादी आदि० के

	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारी… जो किस … तामील में
	निवेदन के आधार किन में सुना जाकर प्रार्थना पत्र को स्वीकार किया जाना उचित है। अतः प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाकर वादी द्वारा प्रस्तुत वाद को नये वाद पेश किये जाने की अनुमति के साथ खारिज फरमाया जाता है। पत्रावली में अब कोई कार्यवाही शेष नहीं होने से फैसल शुमार होकर नम्बर से कम की जाकर दाखिल दफ्तर हो। निर्णय आज दिनांक 17.2.2026 को मेरे इजलास सुनाया गया। [signature]	